60 लाख रुपये की अवैध शराब से भरा कंटेनर पकड़ा, दो गिरफ्तार

पंजाब में बेचे जाने वाली यह शराब अवैध रूप से गुजरात के राजकोट ले जाई जा रही थी

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब से भरे कंटेनर को जब्त करते हुए उसके चालक और खलासी को गिरफ्तार किया है। लुधियाना से चला यह कंटेनर करीब दो दिन में तीन राज्यों के दर्जनों थानों की सीमा से होकर गुजरा, लेकिन बीच रास्ते में ना तो इस कंटेनर को किसी ने रोका और ना ही अवैध शराब ले जा रहे चालक-खलासी को किसी ने टोका। जब करीब 427 किलोमीटर की दूरी तय कर कंटेनर झुंझुनूं पहुंचा तो यहां पर इसे रोका और पकड़ भी लिया गया।

झुंझुनूं में आबकारी विभाग टीम ने शराब से भरा कंटेनर सहित चालक व खलासी को गिरफ्तार किया।

- लुधियाना से 427 किलोमीटर की दूरी तय कर कंटेनर झुंझुनूं पहुंचा तो यहां पकड़ा गया

इस कार्रवाई को लेकर झुंझुनूं जिला आबकारी अधिकारी अमरजीत सिंह ने बताया कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली थी कि पंजाब से एक अवैध शराब से भरा कंटेनर हरियाणा से होते हुए झुंझुनूं आएगा। जहां से वह गुजरात जाएगा। जिस पर आबकारी विभाग और आबकारी पुलिस की संयुक्त टीम ने झुंझुनूं शहर के हवाई पट्टी चौराहे पर संयुक्त नाकाबंदी की। सुबह करीब छह बजे एक कंटेनर आते हुए दिखाई दिया।

जिसे रूकवाकर जांच की गई तो वह पूरा का पूरा अवैध शराब से भरा हुआ मिला। कंटेनर में एक हजार से ज्यादा कार्टन बीयर और अंग्रेजी शराब के मिले, जिनकी कीमत करीब 60 लाख रूपए है। विभाग ने कंटेनर और शराब को जब्त कर बाड़मेर के सोडियार पीस निवासी हरिश पुत्र चेतनराम तथा रामदेवरिया निवासी मागाराम पुत्र देदाराम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से शराब को लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि पंजाब में बेचे जाने वाली यह शराब अवैध रूप से गुजरात के राजकोट ले जाई जा रही थी। कार्रवाई में आबकारी डीएसपी लक्ष्मीनारायण सैनी तथा पीओ ताराचंद जाखड की टीम भी शामिल रही।

नंबर प्लेट और बिल भी फर्जी :- आबकारी पुलिस ने जब कंटेनर रूकवाया तो उसमें सबकुछ फर्जी मिला। कंटेनर में सामान को लेकर किसी को शक ना हो। इसके लिए एक फर्जी सील लगाई गई। लेकिन पुलिस ने सील खोली तो थर्माकोल की सीट लगी हुई थी। इसके बाद जब देखा तो पूरा कंटेनर अवैध शराब के कार्टनों से भरा हुआ था। जब चालक को इसके बारे में पूछा तो वह जवाब नहीं दे पाया। क्योंकि पहले चालक ने एक फर्जी बिल दिखाया, जो मेडिसीन प्रोडक्ट का था। जिस पर कंटेनर में मेडीसीन प्रोडक्ट होने की जानकारी लिखी थी। वहीं यह माल लुधियाना से राजकोट जाना अंकित था। इसी अंकन के हिसाब से आबकारी पुलिस अंदाजा लगा रही है कि यह अवैध शराब पंजाब से गुजरात जा रही थी। इसके बाद भी जब ट्रक के कागजात पूछे गए तो वो भी नहीं मिले। नंबर प्लेट चैक की गई तो गुजरात नंबरों की प्लेट के नीचे हरियाणा नंबरों की दूसरी प्लेट लगी हुई मिली।

फिलहाल पुलिस इस जांच में लगी हुई है कि आखिर असली नंबर प्लेट कौनसी है या फिर दोनों की दोनों ही फर्जी है। आबकारी पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने बताया कि वे परसों लुधियाना से चले थे। पूरे कंटेनर में सेल्स आनली पंजाब का ठप्पा लगी शराब थी। वे रात को भिवानी में रूके थे। मध्य रात्रि को भिवानी से रवाना होकर वे राजस्थान में घुसे और करीब छह बजे झुंझुनूं पहुंचे। तो यहां पर आबकारी विभाग की टीम ने पकड़ लिया।

कार और रोडवेज बस की टक्कर, चार लोगों की मौत

पंजाब से एनआरआई परिवार के पांच लोग कार से श्रीगंगानगर में रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के चूनावढ़ में कार और रोडवेज बस में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है, जबकि गंभीर रुप से घायल एक महिला को श्रीगंगानगर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार पंजाब से एनआरआई परिवार के पांच लोग कार से श्रीगंगानगर के पदमपुर में रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे। इस बीच पदमपुर मार्ग पर चूनावढ़ भगवानसर गांव के पास तेज रफ्तार रोडवेज बस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने देखा तो तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए।

- हादसे में आठ जने घायल, पुलिस ने मौके पर जाकर घायलों को अस्पताल भिजवाया

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया।

हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक ढाई साल के बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार की एक महिला घायल है। वहीं आठ बस यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एनआरआई हैं, जो होली पर पंजाब आए थे। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद ही शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज बीकानेर आयेंगे

बीकानेर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 मार्च को बीकानेर आएंगे। वे यहां बीकानेर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे।

इससे पहले मेघवाल की ओर से नामांकन पत्र दाखिल किया जाएगा। इस दौरान भी वे मौजूद रहेंगे। जाकनारी के अनुसार इससे पहले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के बुधवार को बीकानेर आने का कार्यक्रम था जो अब रद्द हो गया है। लोकसभा मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया कि बीकानेर लोकसभा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल 27 मार्च को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन के बाद सुबह 11 बजे गांधी पार्क के पास रविंद्र रंगमंच के आगे जनसभा रखी गई है जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ प्रदेश और बीकानेर संभाग, जिले के नेता भी शामिल रहेंगे।

सवारियों से भरा वाहन अनियंत्रित होकर पलटा

हादसे में 11 महिला मजदूर घायल

हिंडौन सिटी में कृषि उपज मंडी के पास सवारियों से भरा किसान बुग्गा (वाहन) पलट गया।

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर के कैलाश नगर स्थित कृषि उपज मंडी के पास मंगलवार सुबह सात बजे बाइपास पर चढ़ते वक्त सवारियों से भरा किसान बुग्गा (वाहन) अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें करीब 11 महिलाओं को चोटें आई हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरी घटना में एक जीप ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें तीन जने घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार किसान बुग्गा में करीब 30 से 35 महिलाएं सवार थी। चिकित्सक डॉ. मनोज जांगिड़ ने बताया कि घायलों में पावटिया का पुरा निवासी ममता जाटव (38), मुकेशी देवी (33), केशन्ति (50), गीता (30), केशरानी (32), सुगरबाई (41), उर्मिला (40), सुनीता (46), साबूती देवी (55), सुनीता (42), शीतल कुमार (24) है। घायल के परिजन सुनील कुमार व संतोष ने बताया किसान बुग्गा में सवार सभी महिलाएं तिघरिया के कटारा गांव में गेंहू की कटाई की मजदूरी करने जा रही थी, जिसमें कृषि उपज मंडी के पास मुख्य मार्ग पर चढ़ते हुए किसान बुग्गा अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि पलटता हुआ किसान बुग्गा एक पेड़ से टकराकर रुक गया, जिसके बाद सूचना पर संतोष सबसे पहले मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को निजी साधनों से अस्पताल पहुंचाया गया। इधर चिकित्सक के अनुसार घायलों की स्थिति सामान्य है।

- गेहूं की फसल काटने जा रही थी महिलायें, चढ़ाई पर चढ़ते समय हुआ हादसा

इधर टोडाभीम मार्ग पर ढहरा के पास रविवार शाम चार बजे तेज रफ्तार जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें 5 माह की बालिका सहित 2 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिसमें एक महिला की स्थिति गंभीर होने पर जिला अस्पताल से जयपुर एसएमएस रेफर किया गया है। जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. जे.पी. मीना ने बताया घायलों में मुंडरी निवासी मुनेशी मीना (38), विनीता मीना (30) और 5 माह की बालिका है। जिसमें महिला मुनेशी मीना के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट आई है। इधर परिजनों में लाला मीना ने बताया की होली पर देवताओं के दर्शन के लिए सभी सदस्य बाइक से भोपर जा रहे थे। इस दौरान ढहरा के पास पीछे से आ रही जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर सभी सवारियां बाइक से उछलकर सड़क किनारे पड़े गिट्टियों के ढेर पर जा गिरे। जिसमें मुनेशी का सिर पत्थरों से टकरा गया। घटना की सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। चिकित्सक के अनुसार 5 माह की मासूम बालिका को मामूली चोट आई है।

सिंगापुर के राष्ट्रपति ने पटवा हवेली देखी

जैसलमेर, (नि.सं.)। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने अपनी चार दिवसीय निजी यात्रा के दौरान मंगलवार को पटवा हवेली के अग्र भाग में पीत पाषाण पर की गई चित्रकारी को देखा। शनमुगरत्नम ने परिवार सहित पटवा हवेली के अग्र भाग में पीत पाषाण पर बारीक करीगिरी से बने हुए चिड़िया, नृत्य करते मोर, कबूतर, तोता, घोड़ा, हाथी आदि के चित्र देख अभिभूत हुए। उन्होंने कहा कि ऐसी बहुतायत में की गई बारीक करीगिरी मेरे जीवन में मैने पहली बार देखी। शनमुगरत्नम परिवार अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान सम के मखमली धोरों का भ्रमण करेंगे।

बहन-बहनोई की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। यहां तोलियासर गांव के पास आठ मार्च की शाम को सड़क पर मिले बाना निवासी हेतराम पुत्र भंवरलाल नायक व 12 मार्च को उसी स्थान मिले उसकी पत्नी लाली के शव की गुत्थी को पुलिस सुलझा दिया है। मृतक हेतराम की पत्नी का भाई मनोज पुत्र मोतीराम नायक निवासी लिखमादेसर ही हत्यारा निकला। पुलिस ने आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि 8 मार्च की शाम को हेतराम का शव तोलियासर के पास सड़क पर पड़ा मिला था। उसके पास बाइक क्षतिग्रस्त पड़ी थी। इसके बाद 12 मार्च को उसी स्थान पर हेतराम की पत्नी लाली का शव सड़क से करीब 20 फीट दूर पड़ा मिला था। हत्या का संदेह हुआ, तो पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्यारेलाल शिवराण व सीओ निकेत पारीक के निर्देशानुसार अलग-अलग टीमें बनाकर मामले की जांच शुरू की गई। गहनता से कॉल डीटेल विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज व घटना से सम्बंधित तथ्यों का संकलन कर मृतका लाली के भाई मनोज को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में जुर्म कबूल लिया।

थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि आरोपी ने हेतराम की हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया था, लेकिन घटना स्थल पर पहुंचे, तो मौके पर क्षतिग्रस्त बाइक का स्टैंड लगा, हेलमेट तोड़ा हुआ और वाइजर टूटा देख कर हत्या का संदेह हुआ। इसके बाद मिले लाली के शव के पास मिली दवा की पर्ची व लोहे का सरिया देखकर शक और गहरा हो गया। पुलिस ने अलग-अलग एंगल से जांच की और आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का पर्दाफाश कर दिया।

थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि लाली की हेतराम के साथ तीसरी शादी थी। वह करीब एक वर्ष से हेतराम के साथ रह रही थी। लाली केवल अपनी मां और भाई मनोज से मिलती थी। गत आठ मार्च को आरोपी मनोज बाइक लेकर हेतराम व लाली को श्रीडूंगरगढ़ लेने आया था। यहां हेतराम और मनोज शराब पीने लगे। शराब पीने पर हेतराम और लाली में झगड़ा हो गया। इसके बाद हेतराम, लाली और मनोज लिखमादेसर के लिए बाइक से रवाना हो गए। रास्ते में भी शराब की बात को लेकर झगड़ा होता रहा। तोलियासर के पास मनोज लघुशंका के लिए गया, तो पीछे से हेतराम ने अपनी पत्नी लाली पर लोहे के सरिये से वार कर हत्या कर दी।

नदी में डूबे युवक का शव निकाला

करौली, (निसं)। करौली-हिंडौन रोड स्थित अंजनी माता मंदिर के पास पांचना नदी में डूबे युवक का शव करीब 18 घंटे बाद बाहर निकाला। युवक के शव को भरतपुर से एसडीआरएफ, करौली की सिविल डिफेंस टीम, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। टीम की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार को दोपहर शव बाहर निकालकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो के सुपुर्द कर दिया। करौली कोतवाली थाना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि हरकेश गुर्जर पुत्र भूर सिंह गुर्जर 24 निवासी बल्लूपुरा थाना सदर करौली के नदी में डूबने की सूचना मिली।

ए.टी.एम. लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

1100 किमी दूरी तक 2150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद लुटेरों तक पहुंची पुलिस

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित निकटवर्ती ग्राम चौकी गोरधनपुरा स्टैण्ड के नजदीक कुजोता रोड स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम को गत छह मार्च की अलसुबह करीब पांच बजे बाद लग्जरी कार में सवार होकर आये तीन बदमाशों ने गैस कटर से एटीएम मशीन को उखाड़कर करीब 12 लाख रूपयों की नकदी लूट ले जाने की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। वारदात में पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है।

कोटपूतली पुलिस ने ए.टी.एम. लूट की वारदात का खुलासा किया।

कोटपूतली-बहरोड़ जिला एसपी वंदिता राणा ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर प्रैस वार्ता कर वारदात का खुलासा किया है। एसबीआई शाखा प्रबंधक मनीष शर्मा ने सरूण्ड थाने में दर्ज करवाया था कि गोरधनपुरा चौकी राजमार्ग से 100 मीटर दूर स्थित एटीएम मशीन को अज्ञात बदमाश गैस कटर से काटकर 12 लाख 19 हजार रूपयों की नकदी लूट कर ले गये। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि इस सम्बंध में जयपुर रेंज आईजी उमेश चन्द्र दत्ता ने गंभीरता के साथ प्रकरण को लेते हुये त्वरित खुलासे व अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिये थे। जिसको लेकर एएसपी नेमसिंह, विराटनगर डीएसपी रोहित सांखला, कोटपूतली डीएसपी राजेन्द्र बुरडक के सुपरविजन एवं एसएचओ प्रागपुरा राजेश कुमार, एसएचओ सरूण्ड मौहम्मद इमरान रंगरेज, भाबरू एसएचओ रविन्द्र कुमार, डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक कर लोगों से जानकारी प्राप्त की। टीम ने राजमार्ग व पाटन, अजीतगढ़ , नीमकाथाना, थोई, प्रागपुरा, सरूण्ड, शाहपुरा, कोटपूतली, विराटनगर, मनोहरपुर के करीब 450 गांवों में 1100 किमी तक 2150 सीसीटीवी के फुटेज खंगाले। साथ ही साईबर सैल द्वारा घटना स्थल एवं राजमार्ग पर संदिग्ध स्थानों एवं पूर्व की वारदातों की तकनीकी सहायता प्राप्त कर ऐसी वारदातों के चालानशुदा 150 अपराधियों व संदिग्ध बदमाशों से पूछताछ की।

गत 23 मार्च को क्यूआरटी टीम के कानि. मनोज कुमार को सूचना मिली कि इस वारदात में प्रयुक्त वाहन सीटी स्कवॉयर मॉल के पास खड़ी है। इस पर टीम के सदस्य तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंचे एवं वाहन में बैठे व्यक्ति से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि उक्त कार मेरे दोस्त भगवती लाल गुर्जर, इन्द्रजीत सिंह, शिवलाल व भोमाराम खड़ी करके गये थे। इस पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति सुरेश बंजारा से जानकारी लेकर राजसमंद के देवगढ़ पहुंचे एवं वहां से भगवती व शिवलाल को डिटेन कर एक टीम को इन्द्रजीत सिंह की तलाश में उदयपुर रवाना किया। टीम ने अथक प्रयासों से एटीएम लूट के मुख्य सरगना इन्द्रजीत सिंह को उदयपुर से डिटेन किया। पुलिस ने तीनों अभियुक्त इन्द्रजीत सिंह (51) पुत्र गुरूविन्द्र सिंह खत्री सिक्ख निवासी न्यु गणेश नगर रामामंडी, जालंधर (पंजाब), भगवती लाल (28) पुत्र बन्नालाल गुर्जर निवासी गुर्जरों का मौहल्ला देवगढ़ (राजसमंद) व शिवलाल (31) पुत्र पन्नालाल माली निवासी सूरज दरवाजा देवगढ़ जिला राजसमंद को गिरफ्तार किया।

कार में आग लगने से फौजी जिंदा जला

एक महीने पहले ही फौजी की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था

मुकुंदगढ़, (निसं)। थाना इलाके में एक कार में आग लगने से सेना में कार्यरत फौजी जिंदा जल गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक कंवरपुरा बालाजी डूंडलोद निवासी 25 वर्षीय विकास भास्कर आर्मी में कार्यरत है, जिसकी पोस्टिंग फिलहाल श्रीनगर में थी। करीब एक महीने पहले वह अपने गांव छुट्टी पर आया था, जो रात को वापिस ड्यूटी पर लौट रहा था, जिसके लिए वह ट्रेन पकड़ने के लिए मुकुंदगढ़ रेलवे स्टेशन जा रहा था। इसी दौरान उसकी गाड़ी डूंडलोद के बलरिया रोड पर स्थित अंडरपास की दीवार पर जा टकराई और कार में आग लगने से विकास जिंदा जल गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक विकास पूरा जल चुका था। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। वहीं मुकुंदगढ़ पुलिस ने भी मौके पर एफएसएल और डॉग स्कवायड बुलाई है। एसएचओ महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि घटना के कुछ मीटर पहले गाड़ी के घसीटने जैसी चीज सामने आ रही है। वहीं मृतक का मोबाइल भी घटना से कुछ दूरी पहले मिला है। विकास भास्कर के शव का डीएनए करवाया जाएगा। वहीं पूरे मामले की जांच की जाएगी।

एक महीने पहले ही विकास भास्कर की पत्नी कविता ने एक बेटे को जन्म दिया है। इसी खुशी के मौके पर विकास छुट्टी लेकर घर आया था और छुट्टी खत्म होने पर वापिस लौट रहा था। तब यह हादसा हो गया। हालांकि कुछ लोग इस घटना को संदिग्धता की नजर से भी देख रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार विकास की शादी दो साल पहले फतेहपुर इलाके के अलफसर निवासी कविता के साथ हुई थी। कविता गृहिणी है। कविता गर्भवती थी और एक माह पहले डिलवरी का समय आया तो विकास छुट्टी लेकर गांव आया। विकास एक महीने पहले ही मासूम बेटे का बाप बना था, इसलिए काफी खुश था। बीती रात को छुट्टी पूरी होने पर वह वापिस लौट रहा था और उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

भैंसली में लग रही रहस्यमयी आग और तीन मौतों का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

पत्नी के चरित्र पर शक करता था, इस कारण दो पुत्रों और दादी की जहर देकर हत्या की थी

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना अंतर्गत गांव भैंसली में रहस्यमयी आग और तीन लोगों की मौत मामले में हमीरवास थाना पुलिस ने आरोपी भूपसिंह पूनियां पुत्र स्व. सुमेर सिंह जाट को गिरफ्तार कर लिया तथा आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायाधीश ने पूछताछ के लिए आरोपी को सात दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया। जानकारी के अनुसार आरोपी भूपसिंह पूनियां को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था तथा उसे यह भी शक था कि उसके दोनों पुत्र स्वयं के नहीं है। जिसके कारण आरोपी ने अपने दोनों पुत्रों को जहर देकर तथा अपनी दादी किस्तूरी देवी को खांसी की दवा में जहर मिलाकर हत्या कर दी तथा अपने गुनाहों को छुपाने के लिए अपने ही घर में जगह-जगह सोडियम से आग लगाकर ग्रामीणों की सहानुभूति बटोरने लगा था।

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि मामले को पुलिस ने एक चुनौती के रूप में लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल तथा प्रशांत किरण आईपीएस सहायक पुलिस अधीक्षक एवं थाना अधिकारी मदन लाल बिश्नोई के नेतृत्व में टीम का गठन किया। एक माह में तीन मौत होने, ग्रामीणों में फैले अंधविश्वास को दूर करने, अंधविश्वास और तांत्रिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने, चार वर्षीय बच्चे के शव को गड्ढे से बाहर निकलवाकर मेडिकल बोर्ड से जांच करवाने, आरोपी भूपसिंह की मेडिकल की दुकान होने और जी.एन.एम. का कोर्स कर एक निजी अस्पताल में कम्पाउडर की नौकरी करने आदि समस्त बिंदुओं पर गहनता से जांच शुरू की गई तथा जांच में बारबयूरेट ड्रग्स और सोडियम की मात्रा पाई गई। जिस पर पुलिस ने आरोपी भूप सिंह पूनियां को हिरासत में लेकर गहनता से पूछताछ की तो मामले का पर्दाफाश हुआ।

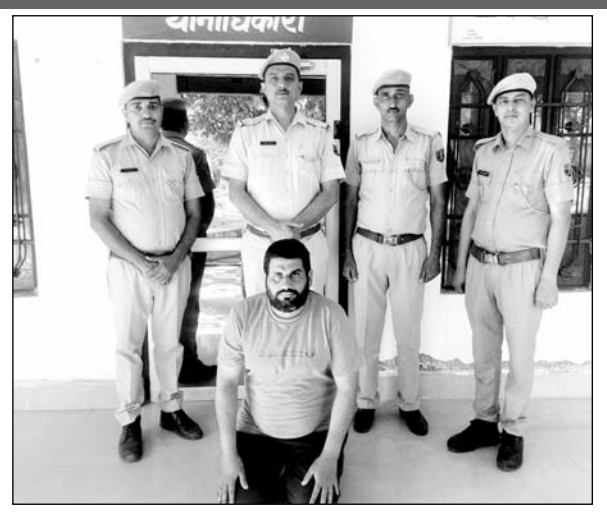

हमीरवास थाना पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि भूपसिंह पूनियां को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। साथ ही उसे यह भी शक था कि उसके पुत्र गर्वित व अनुराग उसके स्वयं के बच्चे नहीं है। जिस पर आरोपी भूप सिंह पूनियां ने गर्वित व अनुराग की हत्या करने की योजना बनाई थी। जिसके लिए किसी को शक ना हो सबसे पहले अपनी दादी किस्तूरी देवी को खांसी की दवाई में जहर मिलाकर पिला दिया। जिसके कारण दिनांक 31 जनवरी को उसकी मौत हो गई। 13 फरवरी को भूपसिंह पूनियां ने अपने बेटे गर्वित को जहर दे दिया, जिस पर गर्वित की भी मौत हो गई। इसके बाद भूप सिंह ने अपने दूसरे पुत्र अनुराग को मारने के लिए 28 फरवरी को जहर दे दिया। जिसके कारण अनुराग की भी मौत हो गई। आरोपी ने अपनी दादी ओर दो पुत्रों की हत्याओं की घटनाओं को छुपाने के लिए एवं गाँव के लोगों से सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपने मकान में स्वयं ही सोडियम से आग लगाना शुरू कर दिया तथा किस्तूरी देवी, गर्वित व अनुराग की मृत्यु एवं आग को तंत्र विद्या से लोगों को बताकर सहानुभूति प्राप्त कर ली। जब भूपसिंह के मकान में पुलिस द्वारा जली हुई चीजों को जब्त किया जाकर प्रशिक्षण हेतु एफएसएल भेजा गया, तो भूप सिंह को अपने द्वारा की गई हत्याओं का राज खुलने का डर सताने लगा तब आरोपी ने पुलिस को घटना से दूर करने हेतु अपने परिवार के लोगों को उकसाकर पुलिस टीम पर हमला करवा दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपने मासूम बेटों एवं दादी को जहर देकर हत्या करना पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर जांच शुरू की गई है। कार्यवाही में हमीरवास थाने के दिनेश कॉन्स्टेबल व रवि कॉन्स्टेबल की विशेष भूमिका रही।

- गुनाहों को छुपाने के लिए अपने ही घर में सोडियम से आग लगाकर ग्रामीणों की सहानुभूति बटोरने लगा था आरोपी